AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

महिलाओं की आवाज बनूं, तभी पदक का महत्व

लविवि में एमए गणित की टॉपर ने दुष्कर्म पीड़िता का केस दर्ज न होने पर लिया था पढ़कर कुछ बनने का प्रण

सतीश शर्मा

लखनऊ। 12वीं में थी, तभी गांव में एक महिला के साथ दुष्कर्म की घटना हुई। सच सब को पता था, पर गरीब होने की वजह से वह आरोपियों के खिलाफ मुकदमा तक नहीं दर्ज करा सकी। उसी समय पढ़कर कुछ करने का प्रण कर लिया था। दीक्षांत समारोह में मेडल मिलना है, लेकिन इस पदक का असली मकसद तब पूरा होगा जब ऐसी महिलाओं के लिए कुछ कर पाऊंगी। यह कहना है लविवि में एमए गणित की टॉपर नेहा वर्मा का।

नेहा वर्मा।

हरदोई जिले के ग्रामीण क्षेत्र की रहने वाली नेहा वर्मा के पिता मामूली किसान हैं। नेहा के अनुसार, उसने अपने पिता से आगे पढ़ने की इच्छा जताई। मेहनत और लगन देखकर पिता ने भी हर हाल में पढ़ाने की बात कही। इसके बाद बीए और अब गणित में एमए की परीक्षा पास की है।

साथ ही उसने प्रशासनिक सेवा की तैयारी भी शुरू की है। नेहा ने बताया कि सिविल सेवा से जुड़कर मेरा मकसद महिलाओं के हक, अधिकार की आवाज बनकर प्रशासनिक पद से उन्हें न्याय दिलाना है। उन्होंने बताया कि पिता की तमाम व्यवस्था होने के बाद भी ग्रामीण स्तर पर शिक्षा की पहुंच न के बराबर है। इसकी वजह से महिलाएं अपने हक, अधिकार के बारे में जागरूक नहीं हो पा रही हैं। मेरी इच्छा है कि भविष्य में महिलाओं के लिए काम करूं। (संवाद)

शिक्षा के लिए लोगों को करेंगे प्रेरित

वसी रैदी।

अंधेश्वर के रहने वाले वसी रैदुद्दी को बीए उत्तरार्द्ध विज्ञान विषय में 81 फीसदी अंक मिले हैं। लविवि दीक्षांत समारोह में उन्हें डी. वीएस राम पॉलिसिज प्राइज से नवाजा जाएगा। वसी रैदुद्दी ने बताया कि आगे चलकर बैंकिंग की तैयारी करूंगा, इसके साथ ही लोगों को शिक्षा से जुड़ने के लिए प्रेरित करूंगा।

प्रोफेसर बनने का है सपना

प्रेम सागर।

लखीमपुर निवासी प्रेमसागर को एमए इतिहास में बेहतर अंक लाने पर गोल्ड पदक से सम्मानित किया जाएगा। प्रेमसागर ने बताया कि वह की तैयारी कर रहा हूं। आगे चलकर प्रोफेसर बनूंगा, ताकि गांव के लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक कर सकूं।

शिक्षा के क्षेत्र से जुड़ने की इच्छा

दिना।

लखनऊ निवासी दिना को एमए अरब कल्चर में बेहतर अंक मिलने पर गोल्ड पदक से सम्मानित किया जाएगा। दिना ने बताया कि पिता किसानी करते हैं लेकिन शिक्षा के महत्व को समझते हैं। सुरू से ही शिक्षा के लिए हम सभी को प्रोत्साहित किया। मेरा भी सपना है कि शिक्षक बनकर लोगों को शिक्षा के महत्व के बारे में बता सकूं।

गांव के लोगों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताना जरूरी

स्वाति सिंह।

राजधरौली निवासी स्वाति सिंह को एमए समाजशास्त्रियों में बेहतर अंक लाने पर भगु प्रकाश मेमोरियल प्राइज से नवाजा जाएगा। स्वाति के अनुसार, अब भी ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा का बुरा हाल है। इस पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने अनुसार, अभी मेट की तैयारी कर रही हूं, ताकि पीएचडी के लिए सहयोग मिल सके।

कक्षाओं में कोर्स के साथ कौशल विकास की मिलती है शिक्षा

चेतना शुक्ला।

बहराइच निवासी चेतना शुक्ला को बीकाम में टॉप करने पर मेहता मेडल मिलेगा। चेतना ने बताया कि आगे चलकर यूपीएससी की तैयारी करूंगी, ताकि सिविल सेवा के साथ जुड़कर समाज की सेवा कर सकूं। विवि में पढ़ाई का बेहतर माहौल मिलता है। छात्रों को चाहिए कि निर्धारित कक्षाएं करें, क्योंकि यहां शिक्षा के साथ कौशल विकास से जुड़ने का भी मौका मिलता है।

महिलाओं को अपने हक व अधिकारों के बारे में जानना बेहद जरूरी

अमृता वर्मा।

लखनऊ निवासी अमृता वर्मा को एमए इतिहास में सबसे ज्यादा अंक मिलने पर गोल्ड पदक से सम्मानित किया जाएगा। अमृता ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं आज शिक्षा से वंचित हैं। शहर-शहर की प्रचारज्ञा चुराया खतरी हैं, क्योंकि उन्हें अपने अधिकारों के बारे में जानकारी नहीं होती है। बताया, यूपीएससी की तैयारी कर रही हूं, ताकि सिविल सेवा के साथ जुड़कर महिलाओं को शिक्षा व अधिकार के प्रति जागरूक कर सकूं।

NBT PAGE 3

दीक्षांत पूर्वाभ्यास | एलयू का दीक्षांत समारोह कल, परखी गईं तैयारियां

गवर्नर की भूमिका में दिखीं प्रो. मानुका खन्ना

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

रिमझिम के बीच एलयू में दीक्षांत समारोह का पूर्वाभ्यास किया गया। पूर्वाभ्यास में कुलाधिपति/गवर्नर आनंदीबेन पटेल की भूमिका में राजनीतिक शास्त्र विभाग की हेड प्रो. मानुका खन्ना नजर आईं। पूर्वाभ्यास के दौरान दीक्षांत की तैयारियों पर भी चर्चा हुई।

पूर्वाभ्यास दोपहर 2 बजे से शुरू हुआ। शोभा यात्रा प्रॉक्टर कार्यालय के सामने से निकलकर अशोक वाटिका और भौतिक विज्ञान विभाग के बगल से होते हुए कला संकाय प्रांगण में प्रवेश कर गई।

उच्च शिक्षा, मंत्री उत्तर प्रदेश योगेंद्र उपाध्याय की भूमिका में प्रो. विभूति राय, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी की भूमिका डॉ. अर्चना शुक्ला, पद्मश्री डॉक्टर बलराम भार्गव की भूमिका प्रो. अरविंद मोहन, डॉ. संदीप गोयल की भूमिका प्रो. अशोक सोनकर ने निभाई। सभी लोग मंच पर सभी के साथ कुलपति

दीक्षांत समारोह के रिहर्सल में मंचाधिपति को डिग्री देने की भी अभ्यास किया गया।

और प्रति कुलपति के उपस्थित थे। उद्घोषिका प्रो. केया पाण्डेय ने मिनट टू मिनट कार्यक्रम के अनुसार आगे की प्रक्रिया शुरू की। रिहर्सल के दौरान मेडल पाने वाले छात्र-छात्राओं को बुलाया गया। कुलपति का उद्बोधन, अतिथियों और अंत में माननीय कुलाधिपति का उद्बोधन हुआ। इसके बाद कुलाधिपति ने दीक्षांत समारोह के समापन की घोषणा की गई। फिर शोभा यात्रा की वापसी प्रारंभ हुई और सबसे अंत में मेडल पाए हुए छात्र-छात्राओं के साथ ग्रुप फोटो भी कराया गया।

HINDUSTAN PAGE 6

LU: पुस्तक मेले में 30% सस्ती किताबें

■ एनबीटी संवाददाता,लखनऊ

एलयू में दीक्षांत सप्ताह के तहत पुस्तक मेले की शुरुआत सोमवार को हुई। यह मेला दो दिनों तक चलेगा। एलयू वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने बताया कि कितावे 20 से 30 फीसदी सस्ती मिल रही है।

वीसी ने इस मौके पर कहा कि पुस्तक पढ़ने की आदत को बढ़ावा मिलना चाहिए। पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. डीआर साहू ने बताया कि पुस्तक मेले में विज्ञान, कला, साहित्य, प्रबंधन, कंप्यूटर, कहानियां, संस्कृत, भारतीय दर्शन, भारतीय ज्ञान परंपरा और विशिष्ट व्यक्तियों की पुस्तकें लगाई गई हैं। जिन्हें अलग-अलग प्रकाशकों की ओर से लगाए गए 20 स्टॉल्स से खरीदा जा सकता है। इस मौके पर प्रति कुलपति प्रो. अरविंद अवस्थी, कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, प्रो. डीआर साहू पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ ज्योति मिश्रा उप.पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ बबिता जायसवाल, डॉ अंजली गुलाटी, डॉ पुष्पेन्द्र त्रिपाठी, डॉ प्रवीश प्रकाश, कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, प्रो. डीआर साहू पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ. अशोक साहू के मुताबिक, अब हर वर्ष लिटरेरी फेस्ट और बुक फेयर कराएंगे।

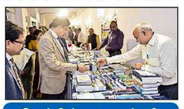

लिटरेरी फेस्ट कराने की तैयारी शुरू

एलयू में लिटरेरी फेस्ट कराने की भी योजना बनाई जा रही है। जिसमें साहित्य, पत्रकारिता, फिल्म व संगीत समेत कई रचनात्मक व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाएगा। प्रो. डीआर साहू के मुताबिक, अब हर वर्ष लिटरेरी फेस्ट और बुक फेयर कराएंगे।

कुमार सिंह, उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. ज्योति मिश्रा समेत कई अन्य उपस्थित रहे।

दीक्षांत पूर्वाभ्यास में प्रो. मानुका राज्यपाल और प्रो. विभूति मंत्री बने

एलयू

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में रिमझिम बारिश के बीच दीक्षांत समारोह का पूर्वाभ्यास हुआ। जिसमें राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की भूमिका राजनीतिक शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. मानुका खन्ना ने निभाई। इस दौरान दीक्षांत की तैयारियों पर भी चर्चा हुई।

एलयू में 66वें दीक्षांत समारोह के मद्देनजर सोमवार को दोपहर दो बजे से पूर्वाभ्यास शुरू हुआ। शोभा यात्रा कुलानुशासक कार्यालय के सामने से निकलकर अशोक वाटिका और डॉ. अर्चना शुक्ला, पद्मश्री डॉ. बलराम भार्गव की भूमिका प्रो. अरविंद मोहन और डॉ. संदीप गोयल की भूमिका प्रो. अशोक सोनकर ने निभाई। सभी लोग मंच पर सभी के साथ कुलपति

मंथन कक्ष में हुई बैठक, समारोह की तैयारियों पर चर्चा

पूर्वाभ्यास समापन के बाद कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में मंथन कक्ष में एक बैठक हुई। जिसमें छह दिसंबर को आयोजित दीक्षांत समारोह को लेकर बिन्दुवार चर्चा की गई। रिहर्सल और बैठक में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, विधि के सभा के सदस्य, विद्या परिषद के सदस्य, कार्य परिषद के सदस्य, विभिन्न संकायों के डीन शामिल हुए।

66 वें दीक्षांत समारोह के लिए एलयू में हुआ पूर्वाभ्यास | **02** बजे दोपहर को रिहर्सल शुरू हुआ, शोभा यात्रा भी निकली | **06** दिसंबर को विश्वविद्यालय में होगा दीक्षांत समारोह

लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को दीक्षांत समारोह का जायजा लेते कुलपति प्रो. आलोक राय

होते हुए कला संकाय प्रांगण में प्रवेश कर गई। यहां प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय की भूमिका में प्रो. विभूति राय, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी की भूमिका में प्रो. अर्चना शुक्ला, पद्मश्री डॉ. बलराम भार्गव की भूमिका प्रो. अरविंद मोहन और डॉ. संदीप गोयल की भूमिका प्रो. अशोक सोनकर ने निभाई। मंच पर सभी के साथ कुलपति और प्रति कुलपति भी उपस्थित रहे।

पूर्वाभ्यास के दौरान मेडल पाने वाले छात्र-छात्राओं को बुलाया गया। कुलपति, अतिथियों, कुलाधिपति का उद्बोधन हुआ। कुलाधिपति ने दीक्षांत समारोह के समापन की घोषणा की। फिर शोभा यात्रा की वापसी प्रारंभ हुई और सबसे अंत में मेडल पाए हुए छात्र-छात्राओं के साथ कुलाधिपति का ग्रुप फोटो हुआ।

i-NEXT PAGE 3

एलयू में दीक्षांत समारोह का किया गया पूर्वाभ्यास

LUCKNOW (4 Dec): लखनऊ यूनिवर्सिटी में 6 दिसंबर को होने वाले 66वें दीक्षांत समारोह के तैयारियों को लेकर पूर्वाभ्यास किया गया. इस मौके पर कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के नेतृत्व में प्रति कुलपति प्रोफेसर अरविंद अवस्थी, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक और एलयू के सभी के सदस्य, विद्या परिषद के सदस्य, कार्य परिषद के सदस्य, अलग-अलग संकायों के डीन शामिल हुए, पूर्वाभ्यास में निकली शोभा यात्रा कुलानुशासक कार्यालय के सामने से निकलकर अशोक वाटिका और भौतिक विज्ञान विभाग के बगल से होते हुए आर्ट्स फैकल्टी में प्रवेश की. पूर्वाभ्यास में कुलाधिपति प्रो. केया पाण्डेय ने मिनट टू मिनट कार्यक्रम के अनुसार आगे की प्रक्रिया शुरू की. पूर्वाभ्यास के दौरान मेडल पाने वाले छात्र-छात्राओं को बुलाया गया। कुलपति, अतिथियों, कुलाधिपति का उद्बोधन हुआ। कुलाधिपति ने दीक्षांत समारोह के समापन की घोषणा की। फिर शोभा यात्रा की वापसी प्रारंभ हुई और सबसे अंत में मेडल पाए हुए छात्र-छात्राओं के साथ कुलाधिपति का ग्रुप फोटो हुआ।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि को एमईआरयू श्रेणी में 585 अंक, अनुदान में मिलेगा लाभ

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्रदेश में बहु-अनुशासनात्मक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालयों (एमईआरयू) श्रेणी में 585 अंक हासिल किए हैं। प्रदेश में यह सर्वोच्च अंक है। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआइएसएचई) की ओर से यह रिपोर्ट जारी की गई है। विश्वविद्यालय ने अन्य पैरामीटर में भी उच्च स्कोर प्राप्त किया है। इस अंक से विश्वविद्यालय को उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत मिलने वाले अनुदान में फायदा मिलेगा।

यह अंक नैक की ग्रेडिंग, एनआइआरएफ रैंकिंग, छात्र नामांकन, विभागों की संख्या, शिक्षक पदों की भर्ती और पिछले उच्चतर शिक्षा अभियान में मिले अनुदान के आधार पर मिला है। विश्वविद्यालय ने प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-उषा) में आवेदन किया था। पीएम-उषा विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन कई कारकों पर करती है। इसमें पाठ्यक्रम रूपरेखा और क्रेडिट प्रणाली (सीएफसीएस) के कार्यान्वयन, शैक्षिक क्रेडिट बैंक, प्रवेश और निकास, आनलाइन पाठ्यक्रम, स्वयं और मूक्स कार्यक्रमों के लिए डिजिटल नोडल सेंटर के रूप में पंजीकरण, ईटनरिंग, एलुमिनाई कनेक्ट, स्टार्टअप, प्लेसमेंट, डिजिलाकर व अन्य को आधार बनाया है। कुलपति डा. आलोक राय ने कहा कि यह संकाय, कर्मचारियों व छात्रों की मेहनत, प्रतिबद्धता और दूरदर्शिता का प्रमाण है।

एलयू में आगामी दिनों में डिजिटल फेस्ट कराने की भी योजना बनाई जा रही है। जिसमें साहित्य, पत्रकारिता, फिल्म व संगीत समेत कई रचनात्मक व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाएगा। प्रो. डीआर साहू के मुताबिक, अब हर वर्ष लिटरेरी फेस्ट और बुक फेयर कराएंगे।

पुस्तक मेला शुरू, 30% सस्ती मिल रही हैं किताबें

उद्घाटन

- ओपन टू ऑल की तर्ज पर पुस्तक मेला शुरू हुआ
- आम जनता भी कर सकेगी खरीदारी

अन्य आयोजन

- कवियों ने समाज के कई पहलुओं का सार्थक चित्रण किया
- व्याख्यानमाला अर्थशास्त्र विभाग में 'नया तुर्किए मुद्रिक्स मजबूत के लिए उत्तरदार है' पर वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई।
- प्रातः विज्ञान विभाग में आरन-ए-एनिमेलिया के अंतर्गत में नाट दिवसर व नई आ गई। विद्यार्थी, शोधार्थियों व पर्यावरण प्रेमियों, मुद्रिक्सन क्लब, टीचर द्र नाल, रिग कैचर, स्टूडेंट एक्टिव गेम्स सहित कई अन्य गतिविधियां आयोजित की गईं। इस दौरान शिक्षकों ने सदाबहार नगमे गुनगुनाए। शोध छात्र व छात्राएं थिरकते नजर आए।

एलयू को अखिल भारतीय सर्वेक्षण में सर्वोच्च स्थान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) ने राज्य में सर्वोच्च स्थान दिया है। एलयू ने प्रदेश में बहु-अनुशासनात्मक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालयों (एमईआरयू) कैटेगरी में 585 का स्कोर प्राप्त किया है। इस स्कोर के बाद एलयू को पीएम-उषा योजना के तहत करोड़ों रुपये का ग्रांट मिलने की उम्मीद है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लखनऊ विवि में सजा किताबों का संसार

लखनऊ। लविवि के टैगोर पुस्तकालय प्रांगण में सोमवार से पुस्तकों का संसार सज गया। इसमें देश-विदेश के नामी प्रकाशकों की पाठ्य पुस्तकों के साथ अन्य किताबें भी शामिल की गई हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इसका उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में पाठ्य पुस्तकों के अतिरिक्त मनोरंजक और प्रेरक पुस्तकें भी हैं। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य छात्रों एवं शिक्षकगणों को उनके विषय से संबंधित पुस्तकों के नवीन संस्करण से परिचित कराना और छात्रों में पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना है। प्रति कुलपति, प्रो. अरविंद अवस्थी, कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिह, पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. डीआर साहू, डॉ. प्रविश प्रकाश, डॉ. ज्योति मिश्रा भी मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

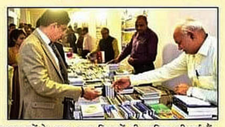

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

LU में इसी सत्र से ऑनलाइन पढ़ाई

सिलेबस तैयार, रिकॉर्डिंग की जा रही है, यूजीसी को सिर्फ दिनी होगी सूचना

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

एलयू ने इसी सत्र से ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को चलाई शुरू करने की तैयारी कर ली है। ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाया जाने वाले कोर्सों का सिलेबस बन चुका है। इन कोर्सों के लेक्चर रिकॉर्डिंग का काम किया जा रहा है। हालांकि अभी ऑनलाइन कोर्स शुरू करने को लेकर कई निर्णय लिए जाने हैं।

लखनऊ यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर ऑनलाइन एंड डिस्टेंस एजुकेशन (एलयूसीओडी) के जरिए ऑनलाइन कोर्सों की चलाई शुरू जाएगी। सत्र 2023-24 से परास्नातक स्तर के कई पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन दाखिले दिए जाने की योजना है। पहले परास्नातक पाठ्यक्रमों को ऑनलाइन माध्यम से शुरू किया जाएगा। परास्नातक स्तर पर सही से चलाई शुरू हो जाने के बाद स्नातक स्तर की ऑनलाइन चलाई शुरू की जाएगी।

वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के मुताबिक पहले ऑनलाइन कोर्स शुरू करने के लिए यूजीसी से अनुमति की जरूरत होती थी पर, अब यूजीसी से क्रेण-1 मिलने के बाद इसकी जरूरत नहीं। सिर्फ यूजीसी को ऑनलाइन कोर्स शुरू करने की जानकारी देनी होगी। वीसी का कहना है कि ऑनलाइन कोर्स शुरू करने के लिए उसका सिलेबस तैयार करने की जिम्मेदारी कुछ शिक्षकों को दी गई है। सिलेबस तैयार किया जा चुका है। उनका कहना है कि पाठ्यक्रम को शुरू करने से पहले प्रथम सेमेस्टर का पूरा कंटेंट तैयार होना चाहिए। लेक्चर रिकार्ड होने चाहिए। जिसके बाद ही ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि लेक्चर रिकॉर्डिंग का कार्य चल रहा है। ज्यादा ही ऑनलाइन कोर्स शुरू किए जा सकेंगे।

किताबी आसान ऑनलाइन पढ़ाई?

इस प्रक्रिया में सबसे बड़ी चुनौती है सभी शिक्षकों को नियमित ऑनलाइन पढ़ाई करवा पाना। क्योंकि अभी यह तय नहीं है कि ऑनलाइन कोर्स की पढ़ाई में रहकेवेन देने वाले शिक्षकों को अलग से क्या सुविधाएं दी जाएंगे। ऑनलाइन पढ़ाई के लिए शिक्षकों अधिक रुचि नहीं दिखाते हैं। ऐसे में व्यवस्था के लिए शिक्षकों को प्रोत्साहित करना होगा। इसके साथ ही ऑनलाइन शिक्षा की गुणवत्ता और स्तर को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से प्रतिक्रिया लेना भी महत्वपूर्ण होता है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक होता है कि ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा का अनुभव स्टूडेंट्स को स्वाभाविक और अच्छा हो।

Lens समझिए खबरों के अंदर की बात

एलयू में 40 हजार स्टूडेंट्स की एबीसी आईडी बनी

■ एनबीटी सं,लखनऊ : एलयू में सत्र 2023-24 में दाखिले लेने वाले 40 हजार स्टूडेंट्स की एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी) आईडी बनाई जा चुकी है। एबीसी बनने से यूजी पाठ्यक्रमों में मल्टीपल एंट्री और एग्जिट में आसानी होगी। एलयू में यूजीसी के नियमों के मुताबिक, ट्रिबनिंग, जॉइंट व डुअल डिग्री कार्यक्रम को कार्य परिषद से संस्तुति मिल गई है। वहीं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत पाठ्यक्रमों में मल्टीपल एंट्री व एग्जिट का प्रावधान भी है। इन दोनों ही व्यवस्था के लिए स्टूडेंट्स के क्रेडिट्स का सिस्टमेटिक रिकार्ड होना जरूरी है। जिसके लिए शिक्षा (एबीसी) आईडी को लॉन्च किया। जिसमें सभी छात्रों के क्रेडिट्स का रिकार्ड आसानी से रखा जा सकता है। एलयू में पहले प्रथम सेमेस्टर का पूरा कंटेंट तैयार होना चाहिए। लेक्चर रिकार्ड होने चाहिए। जिसके बाद ही ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि लेक्चर रिकॉर्डिंग का कार्य चल रहा है। ज्यादा ही ऑनलाइन कोर्स शुरू किए जा सकेंगे।

एलयू में ऑनलाइन डिग्री कोर्स इसी सत्र से शुरू करने की तैयारी

ई-शिक्षा

पाठ्यक्रमों का सिलेबस बनाया जा चुका है, लेक्चर रिकार्डिंग का कार्य भी जारी

मल्टीपल एंट्री-एग्जिट में आसानी

"ऑनलाइन शिक्षा में उपयोगी है डिजिटल शिक्षा व छात्र की रोचक को बनाए रखना। अभी कुछ चुनौतियां नहीं। शिक्षा को बच्चों तक लेकर जाने का प्रयास है। साथ-साथ डाटा सेवाएं हटाकर है। जिसमें ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। - प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, एलयू

ऑनलाइन पाठ्यक्रम चलाने के लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इसमें वे सोमवार को संकाय के एसोसिएट, राजनीति विज्ञान, संस्कृत, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र व समाज कार्य में ऑनलाइन एवम मोड में शुरू किए जाएंगे। बताया कि ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में एसोसिएट प्रोफेसर को डीन बनाया गया है। कुलपति के अनुसार, लेक्चर रिकार्डिंग तैयार हो गई है। जेंडर की पढ़ाई होगी। इसके अलावा, लेक्चर रिकार्डिंग के कार्य चल रहे हैं। जेंडर की पढ़ाई होगी।

सुविधा: 40 हजार छात्रों की एबीसी आईडी बनी, एंट्री-एग्जिट आसान

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 में दाखिले लेने वाले 40 हजार छात्रों की एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) आईडी बनाई जा चुकी है। इससे यूजी पाठ्यक्रमों में मल्टीपल एंट्री या एग्जिट में आसानी होगी। साथ ही ट्रिबनिंग, डुअल व जॉइंट डिग्री प्रोग्राम के लिए भी परिक्षार्थियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

एलयू में यूजीसी के नियमों के मुताबिक, ट्रिबनिंग, जॉइंट व डुअल डिग्री कार्यक्रम को कार्य परिषद से संस्तुति मिल गई है। वहीं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत पाठ्यक्रमों में मल्टीपल एंट्री व एग्जिट का प्रावधान भी है। इन दोनों ही व्यवस्था के लिए स्टूडेंट्स के क्रेडिट्स का रिकार्ड आसानी से रखा जा सकता है। एलयू में पहले प्रथम सेमेस्टर का पूरा कंटेंट तैयार होना चाहिए। लेक्चर रिकार्ड होने चाहिए। जिसके बाद ही ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि लेक्चर रिकॉर्डिंग का कार्य चल रहा है। ज्यादा ही ऑनलाइन कोर्स शुरू किए जा सकेंगे।

2020 शिक्षा नीति में मल्टीपल ऐंट्री-एग्जिट

स्नातक के छात्रों की आईडी बनाई गई

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि एलयू में स्नातक स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्र प्रतिभा विद्यार्थियों की एबीसी आईडी बनाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। अब तक 40 हजार से अधिक छात्रों की आईडी बनाई भी जा चुकी है।

भारत सरकार ने एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी) आईडी को लांच किया। जिसमें सभी छात्रों के क्रेडिट्स का रिकार्ड आसानी से रखा जा सकता है। इसके बाद